



PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER TO INAUGURATE NATIONAL CONFERENCE OF CHAIRPERSONS OF COMMITTEES ON WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES IN BHUBANESWAR/लोक सभा अध्यक्ष भुवनेश्वर में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

...

GOVERNOR, ODISHA; CM, ODISHA; UNION MINISTERS; DY CHAIRMAN, RAJYA SABHA; SPEAKER, ODISHA LEGISLATIVE ASSEMBLY, DEPUTY CMs, ODISHA; CHAIRPERSONS OF COMMITTEES ON WELFARE OF SCs AND STs IN PARLIAMENT & STATE LEGISLATURES TO ATTEND CONFERENCE/ओडिशा के राज्यपाल; मुख्य मंत्री; केंद्रीय मंत्री; राज्य सभा के उप सभापति; ओडिशा विधान सभा के अध्यक्ष, ओडिशा के उप-मुख्यमंत्री; संसद और राज्य विधानमंडलों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापति इस सम्मेलन में भाग लेंगे

...

OVER 120 DELEGATES FROM LEGISLATIVE BODIES OF STATES AND UTs TO PARTICIPATE IN THE CONFERENCE/राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विधायी निकायों के 120 से अधिक प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेंगे

...

THEME OF THE CONFERENCE IS "ROLE OF PARLIAMENTARY AND LEGISLATIVE COMMITTEES IN WELFARE, DEVELOPMENT AND EMPOWERMENT OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES"/सम्मेलन का विषय है-"अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण, विकास और सशक्तीकरण में संसदीय और विधायी समितियों की भूमिका"

...

New Delhi, 26 August 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla will inaugurate the National Conference of Chairpersons of the Committees on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of Parliament and State Legislatures in

Bhubaneswar, Odisha, on 29 August 2025. Shri Birla will also inaugurate an Exhibition and release a Souvenir on this occasion.

Chief Minister, Odisha, Shri Shri Mohan Charan Majhi; Union Minister of Tribal Affairs, Shri Jual Oram; Union Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan; Deputy Chairman, Rajya Sabha, Shri Harivansh and Chairperson, Parliamentary Committee on Welfare of SC and ST, Dr. Faggan Singh Kulaste will also address the distinguished gathering on this occasion. Chairpersons and Members of Committees on Welfare of SC and ST in Parliament and State/UT Legislatures; Ministers in Government of Odisha and Members in Odisha Legislative Assembly will grace the inaugural event.

Speaker, Odisha Legislative Assembly, Smt. Surama Padhy will deliver Welcome Address and Deputy Speaker, Odisha Legislative Assembly, Shri Bhabani Shankar Bhoi will deliver the Vote of Thanks during the Inaugural Session.

The two-day Conference (29–30 August 2025) will bring together over 120 delegates, including Chairpersons and Members of the Committees on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes from Parliament and State /UT Legislatures. The theme of the Conference is “Role of Parliamentary and Legislature Committees in Welfare, Development and Empowerment of SCs and STs.”

The Conference will conclude on 30 August, 2025 with the Valedictory Address of Governor, Odisha Dr. Hari Babu Kambhampati, Lok Sabha Speaker, Shri Om Birla; Deputy Chairman, Rajya Sabha, Shri Harivansh; Chairperson, Parliamentary Committee on Welfare of SC and ST, Dr. Faggan Singh Kulaste; Speaker, Odisha Legislative Assembly, Smt. Surama Padhy; Deputy Chief Ministers of Odisha, Shri K. V. Singh Deo and Smt. Pravati Parida will also address the Valedictory Session. Shri Bhaskar Madhei, Chairperson, Committee on Welfare of SC and ST, Odisha Legislative Assembly will deliver Vote of Thanks.

The Conference will deliberate on strengthening constitutional safeguards, enhancing socio-economic development, and sharing best practices to empower Scheduled Castes and Scheduled Tribes. It will also highlight the pivotal role of Parliamentary and State Legislature Committees in ensuring accountability in implementation of welfare policies, with the vision of realizing an inclusive Viksit Bharat by 2047.

The First Conference of Chairpersons of Committees on the Welfare of SCs and STs was held way back in 1976 in New Delhi. Thereafter, successive Conferences have been held in 1979, 1983, 1987 and 2001, contributing to robust dialogue on the varied dimensions of welfare and constitutional safeguards for SCs and STs. However, it is for the first time that such a Conference is being organised outside Delhi.

नई दिल्ली, 26 अगस्त 2025: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला 29 अगस्त 2025 को भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जातियों और

अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। श्री बिरला इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही एक स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।

ओडिशा के मुख्य मंत्री, श्री मोहन चरण माझी; केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री, श्री जुएल ओराम; केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति के सभापति, डॉ. फगुन सिंह कुलस्ते भी इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जनसभा को संबोधित करेंगे। संसद और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापति और सदस्य; ओडिशा सरकार के मंत्री और ओडिशा विधान सभा के सदस्य उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

उद्घाटन सत्र के दौरान ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष, श्रीमती सुरमा पाढ़ी स्वागत भाषण देंगी और ओडिशा विधान सभा के उपाध्यक्ष, श्री भवानी शंकर भोई धन्यवाद ज्ञापित करेंगे।

इस दो दिवसीय सम्मेलन (29-30 अगस्त 2025) में संसद और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों और सदस्यों सहित 120 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन का विषय है "अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण, विकास और सशक्तीकरण में संसदीय और विधायी समितियों की भूमिका"।

30 अगस्त, 2025 को ओडिशा के राज्यपाल, डॉ. हरि बाबू कंभरपति के विदाई भाषण के साथ सम्मेलन का समापन होगा। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला, राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति के सभापति, डॉ. फगुन सिंह कुलस्ते, ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष, श्रीमती सुरमा पाढ़ी, ओडिशा के उपमुख्यमंत्री, श्री के. वी. सिंह देव और श्रीमती प्रवती परिदा भी समापन सत्र में सभा को संबोधित करेंगे। ओडिशा विधान सभा की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सभापति, श्री भास्कर मधेई धन्यवाद ज्ञापित करेंगे।

इस सम्मेलन में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के सशक्तीकरण के लिए संवैधानिक सुरक्षोपायों को सुदृढ़ करने, सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक एक समावेशी विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए

कल्याणकारी नीतियों के कार्यान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित करने में संसदीय और राज्य विधानमंडल समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा।

अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों का पहला सम्मेलन 1976 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसके बाद, 1979, 1983, 1987 और 2001 में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और संवैधानिक सुरक्षोपायों के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा की गई। इस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली से बाहर पहली बार किया जा रहा है।